PAPER-III
LINGUISTICS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________
2. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

D 3 1 1 0

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

LINGUISTICS

भाषा विज्ञान

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Trace the developments in linguistics keeping in mind the paradigm shifts from 19^{th} century historicism to structuralism to cognitivism.
भाषा विज्ञान के विकास में क्रांतिकारी परिवर्तन (paradigm shift), उन्नीसवीं शताब्दी के ऐतिहासिकतावाद से संरचनावाद, एवं संरचनावाद से संज्ञानवाद (cognitivism) पर विस्तार से चर्चा कीजिये ।

OR / अथवा

Language Pedagogy and Speech pathology have seen a major shift from direct application of linguistic studies to classrooms/clinics to emerging as an autonomous discipline, also contributing to enrich linguistics as a discipline. Discuss.
भाषा शिक्षण एवं वाग्दोष अध्ययन क्षेत्र मात्र एक भाषा विज्ञान अनुप्रयोग रूप से आज स्वायत्त विषय क्षेत्रों के रूप में भाषा विज्ञान को भी समृद्ध करने में सक्षम हुए हैं । इन क्षेत्रों में इस क्रांतिकारी परिवर्तन (paradigm shift) पर विस्तार से चर्चा कीजिये ।

2. Discuss the notions of top-down and bottom-up parsing.
अधोगामी (top-down) एवं ऊर्ध्वगामी (bottom-up) पद-परिचय से क्या अभिप्राय है ? व्याख्या कीजिये ।

OR / अथवा

Give reasons for discarding D-structure and S-structure in principles and parameters.
प्रिन्सिपल एवं पैरामीटर सिद्धांत (principles & parameters theory) में आंतरिक संरचना (D-structure) एवं बाह्य संरचना (S-structure) को अस्वीकार करने का कारण बताइये ।

OR / अथवा

Show how distinctive features are used in different phonological frameworks.
विभिन्न स्वनिमिक सिद्धांतों में विभेदक अभिलक्षण विश्लेषण किस प्रकार सहायक सिद्ध होता है ?

OR / अथवा

Discuss the notion of communicative competence.
संप्रेषण क्षमता से क्या अभिप्राय है ? उचित उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिये ।

OR / अथवा

Write an essay on language as a tool to assess various kinds of speech/language disorders.
वाक् विकार (speech disorders) एवं भाषा विकार (language disorders) के मूल्यांकन के लिये भाषा किस प्रकार प्रयुक्त होती है ?

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
विकल्प – I

3. What is meant by MRDs ? Examine the role of MRDs in computational linguistics.
एम.आर.डी. (MRD) से क्या तात्पर्य है ? संगणक भाषा विज्ञान में एम.आर.डी. का क्या प्रकार्य है ?

4. What role does computer play in language teaching ? Examine it in relation to CALL and CALT.
भाषा शिक्षण में कंप्यूटर का प्रकार्य क्या है ? CALL एवं CALT के संदर्भ में इसकी व्याख्या कीजिये ।

5. What is HPSG ? Examine its significance in computational linguistics.
HPSG से क्या तात्पर्य है ? संगणक भाषा विज्ञान में इसके प्रकार्य की चर्चा कीजिये ।

OR / अथवा
Elective – II
विकल्प – II

3. Critically examine the main problems with the principles and parameters theory.
प्रिंसिपल एवं पैरामीटर सिद्धांत की सीमाओं की समीक्षा कीजिये ।

4. What is meant by LF and PF movement ?
एल.एफ. एवं पी.एफ. संचलन से क्या तात्पर्य है ?

5. Critically examine the salient features of DP analysis.
डी.पी. विश्लेषण के प्रमुख भेदों-विभेदों की समीक्षा कीजिये ।

OR / अथवा
Elective – III
विकल्प – III

3. Show how the syllable emerged as an indispensable unit in phonology even though it was not recognised as a unit in SPE.
यद्यपि SPE में एक इकाई के रूप में अक्षर की संकल्पना का कोई स्थान नहीं था, आज स्वनिमिकी में अक्षर की संकल्पना एक अपरिहार्य इकाई के रूप में उभर कर आई है । समीक्षा कीजिये ।

4. In phonological rule formulation Greek symbol variables always appear in sets and they are used even for expressing opposite values. Discuss.
स्वनिमिक नियम लेखन में ग्रीक चिह्न युग्मों में प्रयुक्त होते हैं, और कभी-कभी विरोधाभासी मूल्य संप्रेषित करते हैं । चर्चा कीजिये ।

5. Differentiate between segmental phonology and suprasegmental phonology.
खंडीय स्वनिमिकी एवं खंडेतर स्वनिमिकी में अंतर स्पष्ट कीजिये ।

OR / अथवा

Elective – IV

विकल्प – IV

3. Discuss critically the notion of language standardization and its relevance.
भाषा मानकीकरण की संकल्पना एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालिये ।

4. Nehru's assurance that all scheduled languages were national languages was the beginning of an accommodative multilingual policy in India. Critically examine the statement.
जवाहरलाल नेहरू के इस आश्वासन से कि प्रत्येक अनुसूचित भाषा राष्ट्रीय भाषा है, भारत में समन्वयक बहुभाषिक नीति का प्रारंभ हुआ । आलोचनात्मक चर्चा कीजिये ।

5. Distinguish between Corpus planning and Status planning.
कॉर्पस नियोजन (Corpus planning) एवं स्थिति नियोजन (Status planning) में अंतर स्पष्ट कीजिये ।

OR / अथवा

Elective – V

विकल्प – V

3. Does language have a neurological basis ? Examine how brain pathology can lead to language disorder.
क्या भाषा का स्नायविक आधार है ? मस्तिष्क विकार किस प्रकार भाषा विकार / वाग्दोषों को जन्म देता है ? चर्चा कीजिये ।

4. What models are used in the study of brain-language relationship ? Examine the significance of any one of such models.
भाषा-मस्तिष्क संबंधों के अध्ययन में कौन से प्रतिदर्श (models) प्रयोग किये जाते हैं ? किसी एक ऐसे मॉडल पर विस्तार से चर्चा कीजिये ।

5. What are the three periods in the history of child language studies ? Discuss the period of diary studies.
बाल भाषा विकास अध्ययन के इतिहास में कौन से तीन प्रमुख चरण हैं ? डायरी अध्ययन चरण पर विस्तार से चर्चा कीजिये ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What is the mechanism of speech production ?
वाक् उत्पादन प्रक्रिया पर चर्चा कीजिये ।

7. Discuss the types of morphemes with suitable examples.
रूपों के विभिन्न प्रकारों पर सोदाहरण चर्चा कीजिये ।

8. Explain x-bar theory.
x-bar सिद्धांत का वर्णन कीजिये ।

9. Differentiate connotation from denotation with suitable examples.
वाच्यार्थ एवं लक्ष्यार्थ में उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट कीजिये ।

10. What are the assumptions of comparative method based on which the methodology of reconstruction was evolved ?
तुलनात्मक विधि के मुख्य पूर्वानुमान क्या हैं जिनके आधार पर पुनर्रचना प्रविधि का विकास हुआ ?

11. Distinguish between code-mixing and code switching with suitable examples.
कोड मिश्रण एवं कोड परिवर्तन में उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट कीजिये ।

12. How does the distinctive way in which mother's talk to the growing child contribute to language acquisition ? Discuss its major features.
माताएँ अपने बढ़ते हुए बच्चों के साथ किस प्रकार बात करती हैं ? इसका भाषा अधिग्रहण प्रक्रिया में क्या योगदान है ? इसके प्रमुख लक्षणों पर चर्चा कीजिये ।

13. Distinguish between contrastive analysis and error analysis.
व्यतिरेकी विश्लेषण एवं त्रुटि विश्लेषण में अंतर स्पष्ट कीजिये ।

14. What is meant by areal classification of languages ? Explain.
भाषाओं के क्षेत्रीय वर्गीकरण से क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

The term "variety of language" can be used to refer to different manifestations of language in just the same way as one might use music as a general phenomenon and then distinguish different "varieties of music". What makes one variety of language different from another is the linguistic items that it includes, so we may define a variety of language as a set of linguistic items with similar social distribution.

The definition allows us to call any of the following “varieties of language” : English, French, London English, the English of football commentaries, the languages used by the members of a particular long-house in the North-West Amazon, the language or languages used by a particular person.

The definition of variety given above, and the examples given in the list, suggest even greater departures from the linguistic tradition. It will be noticed that it is consistent with the definition to treat all the languages of some multilingual speaker, or community, as a single variety, since all the linguistic items concerned have a similar social distribution – they are used by the same speaker or community. That is, a variety may be much larger than a lay ‘language’, including a number of different languages. Conversely, according to the definition a variety may contain just a handful of items, or even in the extreme case a single item, if it is defined in terms of the range of speakers or circumstances with which it is associated. For instance, one might define a variety consisting of those items used solely by some particular family or village. Thus a variety can be much smaller than a ‘language’ or even than a ‘dialect’. The flexibility of the term ‘variety’ allows us to ask what basis there is for postulating the kinds of “package’ of linguistic items to which we conventionally give labels like ‘language’, ‘dialect’, or register. It is because the items form themselves into natural bundles, bound together by a tight set of interlocking structural relations of some kind, as has always been suggested by the structuralist tradition of twentieth century.

In conclusion, discussions of language in relation to society, will consist of statements which refer, on the ‘language’ side, to either individual linguistic items or varieties, which are sets of such items. There are no restrictions on the relations among varieties – they may overlap and one variety may include another. The defining characteristics of each variety is the relevant relation in society – in other words, by whom, and when, the items concerned are used.

जैसे संगीत के विविध भेदों को सामान्य रूप से संगीत की संज्ञा दी जाती है उसी प्रकार भाषाई अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों का संकेत करने के लिये “भाषा विकल्पन/प्रकार” (variety) शब्द का प्रयोग किया जाता है । भाषा का कोई भेद दूसरे भेद से इस आधार पर भिन्न होता है कि इसमें कौन-कौन से मद शामिल हैं । इसलिये भाषाई प्रकार को भाषा मदों का ऐसा सेट कहा जा सकता है जिसमें सामाजिक वितरण में समानता हो । इस परिभाषा के आधार पर हम निम्नलिखित में से किसी को भाषा प्रकार कह सकते हैं : अंग्रेजी, फ्रेंच, लंदन इंग्लिश, फ़ुटबॉल कमेंटरी की अंग्रेजी, उत्तर-पश्चिमी अमेज़न के किसी ख़ास भाषा समुदाय द्वारा व्यवहृत भाषाएँ, किसी विशेष व्यक्ति द्वारा प्रयुक्त भाषा या भाषाएँ ।

ऊपर भाषा विकल्पन / प्रकार की जो परिभाषा दी गई है और संबद्ध सूची में जो उदाहरण दिये गये हैं उनसे भाषा की परंपरागत दृष्टि में काफ़ी बदलाव का संकेत मिलता है । हमें यह भी पता चलेगा कि यह परिभाषा किसी बहुभाषिक की सब भाषाओं को एक ही भाषा प्रकार के रूप में स्वीकार करती है, क्योंकि सभी भाषिक मदों का समान सामाजिक वितरण जैसे एक ही वक्त अथवा भाषा समाज द्वारा प्रयुक्त । भाषा प्रकार आम भाषा से कहीं अधिक बृहत रूप ले सकती है जिसमें अलग-अलग भाषा भेद / भाषाएँ शामिल हों । इसके विपरीत भाषा प्रकार में कुछ सीमित मदें हो सकती हैं जब हम इसे वक्ता अथवा परिवेश के आधार पर परिभाषित करें ।

उदाहरण के लिए – भाषा प्रकार एक परिवार अथवा गाँव / क्षेत्र द्वारा प्रयुक्त भाषायी रूप के आधार पर भी परिभाषित की जा सकती है । भाषा प्रकार भाषा अथवा बोली की अपेक्षा लघुतर हो सकती है ।

“भाषा प्रकार” ऐसी संज्ञा/नामकरण से यह सुविधा है कि हम इन भाषा मदों के संग्रह को भाषा, बोली, प्रयुक्ति जैसा कोई नाम देने का कम आधार है, यह जान सकते हैं । ऐसा इसलिए संभव है कि क्योंकि भाषा-विशेषता मदें स्वयं एक प्राकृतिक रूप से अन्तरबंध संरचनात्मक सम्बन्धों द्वारा संगठित बंडल बनाती हैं ।

ऐसी ही संरचनात्मक परम्परा में भी सुझाया गया है ।

इसका निष्कर्ष यह है – भाषा एवं समाज के सम्बन्धों पर चर्चा में सदैव ऐसे वक्तव्य मिलेंगे जिनमें भाषा के संदर्भ में इन्हीं मदों अथवा मदों से बने भाषा प्रकार पर चर्चा होगी । भाषा प्रकारों के परस्पर सम्बन्धों पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है – इनमें परस्पर व्याप्ति की स्थिति हो सकती है, एक का दूसरे में समावेश भी हो सकता है । प्रत्येक 'प्रकार' के पारिभाषिक लक्षण समाज में उपयुक्त सम्बन्धों पर आधारित हैं अर्थात् कब, किसके द्वारा इन मदों का प्रयोग किया जा सकता है ।

15. What do you understand by the term 'Variety of language' ?
'भाषा प्रकार' से क्या तात्पर्य है ?

16. What examples of varieties of languages are given here ?
'भाषा प्रकार' के किन उदाहरणों का उल्लेख किया गया है ?

17. Why do you think that the definition of 'variety' given here is departing from the linguistic tradition ?
परंपरागत भाषा विज्ञान से इस गद्यांश में दी गई 'प्रकार' की परिभाषा किस प्रकार भिन्न है ? चर्चा कीजिये ।

18. On what basis are conventional labels 'language' 'dialect' or 'register' given ?
पारंपरिक नाम 'भाषा', 'बोली', 'प्रयुक्ति' किस आधार पर दिये जाते हैं ?

19. What is the purpose of the author for writing this passage ? Discuss.
उपर्युक्त गद्यांश के लेखक, हडसन का यह लेख लिखने का क्या मंतव्य है ? चर्चा कीजिये ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....